लक्ष्य निर्धारित करने से ही सफलता मिलती है: जेके शर्मा

मैनपुरी। जिला के कस्वा दन्नाहार स्थिति राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज के निदेशक प्रो0 जेके शर्मा ने शहर के सुदिति ग्लोबल एकेडमी में छात्रों को आईआईटी, जेई, नीट, एनटीएसई आदि परीक्षाओं की तैयारी के लिए जागरूक किया। प्रो0 शर्मा ने बताया कि किसी भी परीक्षा को पास करने के लिए प्रॉपर टेऐनिंग, व्यवस्थित जीवन शैली, विषय में गहराई, चीजें कैसे घटित होती हैं। और तर्क पूर्ण सोच से, किसी भी परीक्षा को पास किया जा सकता है। इसके अलावा सभी अध्यापकों से अनुरोध किया कि छात्रों को कक्षा के बाद घर से करके लाने के लिए डीपीपी प्रदान करें। छात्र अपना लक्ष्य निर्धारित करें। कक्षा 09 से ही अपने आपको व्यवस्थिति करना शुरू करें। जो भी कार्य करें पूर्ण दिल से करें जो भी

पढ़ें उसका अनुप्रयोग जरूर जाने। अच्छे संस्थान के माध्यम से अच्छा व्यक्तित्व बनता है। और कठिन परिश्रम करने की क्षमता का विकास होता है। जिससे आपका आत्मबल बड़ता है और आप निर्भीक होते हैं। सभी छात्रों को नवमीं एवं दसवीं कक्षा में एनटीएसई परीक्षा जरूर देनी चाहिए। जिससे उन्हें आगे की पढ़ाई के लिए छात्रवृत्ति मिल सके। यदि छात्र अच्छा करेंगे तो संस्थान को भी गर्व महसूस होगा। हर सफलता के लिए प्रेरणा का होना बहुत जरूरी है। प्रो0 शर्मा ने सिम्पल हारमोनिक मोशन के माध्यम से छात्रों के कैपिलरी एक्शन को तर्क पूर्ण ढंग से समझाया एवं शिक्षकों को सलाह दी कि वह अपनी पठन सामग्री को जेईई एवं नीट के हिसाब से तैयार करें। मेरे द्वारा जो भी सहयोग होगा वह आपको प्रदान किया जायेगा। इस अवसर पर सिविल समन्वयक बलजीत यादव, प्रधानाचार्य डा. राममोहन सहित शिक्षक तथा छात्र एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

सुदिती ग्लोबल एकेडमी में 12 वीं के बच्चों के कैरियर काउन्सिलिंग सेमीनार का आयोजन किया गया

रीडर्स मैसेंजर नेटवर्क

मैनपुरी। सुदिती ग्लोबल एकेडमी में आज कक्षा 12 वीं के विद्यार्थियों के लिये एक कैरियर काउन्सिलिंग सेमीनार का आयोजन किया गया। जिंदगी में सफल होने का एक ही रास्ता है, सही समय पर सही करियर चुनना। लेकिन अक्सर देखा गया है कि छात्र इस बात को लेकर सबसे ज्यादा परेशान रहते हैं कि हम किस फील्ड का चुनाव करें और किसका नहीं। एक सही कैरियर का चुनाव आपके न सिर्फ आपके सभी सपने पूरे कर सकता है बल्कि जिंदगी में आप जो बनना चाहते हैं वो बन भी सकते हैं। इसी उददेश्य को ध्यान में रखकर सुदिती ग्लोबल एकेडमी में प्रतिवर्ष कक्षा 12 के विद्यार्थियों के लिये विभिन्न सेमीनार आयोजित करवाये जाते हैं।

इसी क्रम में आज छात्रों के लिये आयोजित सेमीनार में राजकीय इंन्जीनियरिंग कालेज के डायरेक्टर प्रो0 जितेन्द्र शर्मा एवं विभाग प्रमुख (सिविल) बलजीत यादव ने अपने अमूल्य सुझाव देकर छात्रों का मार्गदर्शन किया। प्रो0 जितेन्द्र शर्मा ने कहा कि कई बार छात्र अपने दोस्तों की वजह से या पैरेंट्स के दबाव में आकर करियर का चुनाव कर लेते हैं। फिर कुछ सालों के बाद उन्हें एहसास होता है कि गलत करियर में आ गए हैं तो वे फिर से अपने इंट्रेस्ट वाले करियर में आगे बढ़ने की कोशिश करते हैं। लेकिन तब तक काफी समय और पैसा उनके द्वारा बर्बाद कर दिया जाता है। विद्यालय के प्रधानाचार्य डा0 राम मोहन ने बताया कि किसी भी लक्ष्य को हासिल करने के लिए सकारात्मक उर्जा का होना बेहद जरूरी है। प्रतियोगिता के दौर में अपने भविष्य को लेकर विद्यार्थी चिंतित रहते हैं कि दसवीं के बाद कौन से वर्ग का चयन करें और अभिभावकों द्वारा भी अपने बच्चों के भविष्य को लेकर उन पर कक्षा ग्यारहवीं के वर्गों के चयन में दबाव डाला जाता है। इसी बात को मद्देनजर रखते हुए सेमिनार का आयोजन किया गया। उन्होने विद्यार्थियों को कहा कि कभी भी दूसरों के दबाव में आकर अपने भविष्य का निर्णय नहीं करना चाहिए। हमेशा उसी वर्ग का चयन करना चाहिए, जिसमें आपकी रूचि है और आपका सम्पूर्ण आत्मविश्वास है कि आप उस विषय को अच्छी तरह से कर सकते हैं क्योंकि आपके निर्णय की एक गलती आपके भविष्य पर हावी हो सकती है। कोई भी वर्ग चाहे वो आर्ट्स, कामर्स एवं साइंस हो, यदि हम अपनी रूचि के अनुसार उनका चयन करेंगे तो ही हम अपने भविष्य को बेहतर एवं अपना जीवन सफल बनाने में कामयाब हो पाएंगे। सेमीनार में विद्यालय के उप प्रधानाचार्य जा शंकर तिवारी, दीपक उपाध्याय, ओमेश जादौन, अक्षय दीक्षित, राजेश मौर्या, कैलाश सेनापति सहित छात्र एवं छात्रायें उपथित रहे।

बिना लक्ष्य निर्धारित किये कोई कार्य करने से सफलता नहीं मिलती : प्रो0 जे.के शर्मा

मैनपुरी। राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज के निदेशक प्रो0 जे.के शर्मा ने सुदिती ग्लोबल एकेडमी में छात्रों को आईआईटी, जेई, नीट, एनटीएसई आदि परीक्षाओं की तैयारी के लिए जागरूक किया। प्रो0 शर्मा ने बताया कि किसी भी परीक्षा को पास करने के लिए प्रॉपर टेऐनिंग, व्यवस्थित जीवन शैली, विषय में गहराई, चीजें कैसे घटित होती हैं। और तर्क पूर्ण सोच से, किसी भी परीक्षा को पास किया जा सकता है। इसके अलावा सभी अध्यापकों से अनुरोध किया कि छात्रों को कक्षा के बाद घर से करके लाने के लिए डीपीपी प्रदान करें। छात्र अपना लक्ष्य निर्धारित करें। कक्षा 09 से ही अपने आपको व्यवस्थिति करना शुरू करें। जो भी कार्य करें पूर्ण दिल से करें जो भी पढ़ें उसका अनुप्रयोग जरूर जाने। अच्छे संस्थान के माध्यम से अच्छा व्यक्तित्व बनता है। और कठिन परिश्रम करने की क्षमता का विकास होता है। जिससे आपका आत्मबल बड़ता है और आप निर्भीक होते हैं। सभी छात्रों को नवमीं एवं दसवीं कक्षा में एनटीएसई परीक्षा जरूर देनी चाहिए। जिससे उन्हें आगे की पढ़ाई के लिए छात्रवृत्ति मिल सके। यदि छात्र अच्छा करेंगे तो संस्थान को भी गर्व महसूस होगा।

सुदिती ग्लोबल एकेडमी में हुई छात्रों की काउन्सिलिंग

भास्कर ब्यूरो

मैनपुरी। सुदिती ग्लोबल एकेडमी में आज कक्षा 12 वीं के विद्यार्थियों के लिये एक कैरियर काउन्सिलिंग सेमीनार का आयोजन किया गया। जिंदगी में सफल होने का एक ही रास्ता है, सही समय पर सही करियर चुनना। लेकिन अक्सर देखा गया है कि छात्र इस बात को लेकर सबसे ज्यादा परेशान रहते हैं कि हम किस फील्ड का चुनाव करें और किसका नहीं। एक सही कैरियर का चुनाव आपके न सिर्फ आपके सभी सपने पूरे कर सकता है बल्कि जिंदगी में आप जो बनना चाहते हैं वो बन भी सकते हैं। इसी उददेश्य को ध्यान में रखकर सुदिती ग्लोबल एकेडमी में प्रतिवर्ष कक्षा 12 के विद्यार्थियों के लिये विभिन्न सेमीनार आयोजित करवाये जाते हैं।

इसी क्रम में आज छात्रों के लिये आयोजित सेमीनार में राजकीय इंन्जीनियरिंग कालेज के डायरेक्टर प्रो0 जितेन्द्र शर्मा एवं विभाग प्रमुख (सिविल) बलजीत यादव ने अपने अमूल्य सुक्षाव देकर छात्रों का मार्गदर्शन किया। प्रो. जितेन्द्र शर्मा ने कहा कि कई बार छात्र अपने दोस्तों की वजह से या पैरेंट्स के दबाव में आकर करियर का चुनाव कर लेते हैं। फिर कुछ सालों के बाद उन्हें एहसास होता है कि गलत करियर में आ गए हैं तो वे फिर से अपने इंट्रेस्ट वाले करियर में आगे बढ़ने की कोशिश करते हैं। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. राम मोहन ने बताया कि किसी भी लक्ष्य को हासिल करने के लिए सकारात्मक उर्जा का होना बेहद जरूरी है। प्रतियोगिता के दौर में अपने भविष्य को लेकर विद्यार्थी चिंतित रहते हैं कि दसवीं के बाद कौन से वर्ग का चयन करें और अभिभावकों द्वारा भी अपने बच्चों के भविष्य को लेकर उन पर कक्षा ग्यारहवीं के वर्गों के चयन में दबाव डाला जाता है। इसी बात को मद्देनजर रखते हुए सेमिनार का आयोजन किया गया। उन्होने विद्यार्थियों को कहा कि कभी भी दूसरों के दबाव में आकर अपने भविष्य का निर्णय नहीं करना चाहिए। हमेशा उसी वर्ग का चयन करना चाहिए, जिसमें आपकी रूचि है।